

that behind the Regal Cinema a few Chinese have hired a flat in which they are indulging in many suspicious activities?

**Mr. Speaker:** The question is, how many have been ordered to leave India. We should not go into other matters.

**Shrimati Savitri Nigam:** I am asking about those people who have been seen indulging in anti-social activities.

**Shri Lal Bahadur Shastri:** Government is extra careful and watchful in this regard. I do not want to dilate upon it, but we do propose to take very strict action in regard to those Chinese who are considered to be a security risk.

**श्री प्रकाश वीर शास्त्री :** क्या मैं जान सकता हूँ कि जो चीनी नागरिक भारत में इस समय रह रहे हैं, पिछले कुछ दिनों में, जब कि संकट कालीन स्थिति आई है, उन की प्रराष्ट्रीय गतिविधियों का कुछ पता चला है? यदि हाँ, तो भविष्य में उन को रोकने के लिये सरकार ने क्या उपाय सोचे हैं?

**श्री लाल बहादुर शास्त्री :** कुछ पता तो हम लोग लेते ही रहते हैं, लेकिन उस को बतलाने की जरूरत नहीं है। इस वक्त वैसी कार्यवाही ज्यादा है भी नहीं, क्योंकि उन को भी इस बात का डर है। अगर कोई कार्यवाही है, तो वह छिपी हुई है, जिस के बारे में, जैसा कि मैं ने अभी कहा है, हम पता भी रख रहे और कड़ी कार्यवाही भी कर रहे हैं।

**श्री रामेश्वर टांटिया :** भारतवर्ष में जो चाइनीज हैं, उन में कितने हिन्दुस्तानी नागरिक हैं और कितने चाइनीज हैं?

**श्री लाल बहादुर शास्त्री :** मैं उन की ठीक संख्या तो नहीं बता सकता, लेकिन हम दोनों ही की तरफ सावधानी बरत रहे हैं।

**Shri Indrajit Gupta:** Would the hon. Minister tell us, out of these 24 persons referred to here who have been served with deportation orders,

how many of them were nationals of the Chinese People's Republic, how many were Stateless persons and how many had become Indian nationals?

**Shri Lal Bahadur Shastri:** I cannot give the details, but we have put all of them in the same category, and whatever action will be taken will have to be taken against all of them.

**Shri Sham Lal Saraf:** May I know if anybody from the Ladakh side is included among those Chinese who have been ordered to leave the country?

**Mr. Speaker:** It is going into too much of a detail.

**Shri Sham Lal Saraf:** It is a very important question, Sir.

**Shri Lal Bahadur Shastri:** I am sorry I am not aware of it.

**Shri P. C. Borooah:** Are the Government aware that there is in existence a Chinese school in Makun in North-east Assam and that has been helped by the Chinese Consul-General in India, and may I know whether strict vigilance has been kept on the teachers of this school?

**Shri Lal Bahadur Shastri:** Yes; in fact, we have made enquiries and have collected the necessary information in that regard. We will keep a strict watch on that also.

कोयले की कमी

+

{ श्री प्रकाश वीर शास्त्री :  
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :  
श्री भगवत झा आजाद :  
श्री भक्त दर्शन :  
श्री प्र० रं० चक्रवर्ती :  
श्री सुरेन्द्र पाल सिंह :  
श्री यशपाल सिंह :  
श्री विद्याचरण शुक्ल :  
श्री रा० शि० पांडे :

\*१७५.

{ महाराज कुमार विजय आनन्द  
 श्री डा० ना० तिवारी :  
 श्री बिशनचन्द्र सेठ :  
 श्री सरजू पांडे :  
 श्री प्र० के० देव :  
 श्री इन्द्रजीत गुप्त :

क्या खान और ईंधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उन्होंने संसद् के गत सत्र में आशा व्यक्त की थी कि कोयले की कमी सितम्बर अथवा अक्टूबर, १९६२ तक काफी दूर हो जायगी ;

(ख) यदि हां, तो इस दिशा में क्या प्रगति हुई है; और

(ग) क्या नदियों द्वारा कोयले का परिवहन करने के सम्बन्ध में राज्य सरकारों से हो रही बातचीत में अन्तिम निर्णय किया जा चुका है और यदि हां, तो उस की रूपरेखा क्या है ?

खान और ईंधन मंत्री (श्री के० दे० मालवीय) : (क) तथा (ख). पिछले दो महीनों में, कोयले के परिवहन से सम्बन्धित स्थिति में पर्याप्त सुधार हुआ है और रेल तथा सड़क दोनों द्वारा अधिक कोयले का भेजा जाना सम्भव हो गया है ।

(ग) विहार में कोयला खानों से इलाहाबाद में उपभोक्ताओं के लिये सड़क तथा नदी द्वारा कोयले के परिवहन से सम्बन्धित योजना के अन्तर्गत एक परीक्षण क्रिया ( trial run ) को शीघ्र ही कार्यान्वित करने की आशा है । निकट भविष्य में गंगा ब्रह्मपुत्र वाटर ट्रांसपोर्ट बोर्ड ( Ganga-Brahmaputra Water Transport Board ) के नौका समुदाय के हिस्से को इस्तेमाल करते हुए प्रतिमास में लगभग कोयले के ५००-१००० टन उठाये जायेंगे । दीर्घ कालीन योजना के लिये अध्ययन कार्य को किया जा रहा है, जिस के द्वारा यह सम्भावना है कि प्रतिवर्ष में सड़क तथा नदी द्वारा कोयले का प्रेषण ३.५ मिलियन टन तक बढ़ाया जा सके ।

[ (a) and (b). During the last two months, the position relating to transport of coal has shown considerable improvement and it has been possible to move more coal both by rail and by road.

(c) Under the scheme for transport of coal by road and river from coal mines in Bihar to consumers in Allahabad, a trial run is expected to be undertaken shortly. In the immediate future about 800-1000 tons of coal per month will be carried by utilising part of the fleet of the Ganga-Brahmaputra Water Transport Board. Studies for the long term scheme, in which it might be possible to step up the movement of coal by road and river to 3.5 million tons per annum are being undertaken.]

अध्यक्ष महोदय अब तक इस हाउस में यह प्रैक्टिस रही है कि अगर सवाल हिन्दी में हो, तो उस का जवाब पहले हिन्दी में दिया जाता है और फिर अंग्रेजी में । अगर उसी प्रैक्टिस को जारी रखा जाय, तो अच्छा होगा । श्री प्रकाशवीर शास्त्री

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : अभी हाल ही में प्रधान मंत्री जो ने जो देश के कारखानों से अपील की थी कि उन को अपना उत्पादन बढ़ाना चाहिये और उत्पादन तब तक नहीं बढ़ सकता है, जब तक कि उन को कोयला पूरा न मिले । मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या इस संकट कालीन स्थिति का सामना करने के लिये मंत्रालय न कोयले को पहुंचाने के सम्बन्ध में कोई विशेष व्यवस्था की है और अगर की है, तो उस का विवरण क्या है ?

श्री के० दे० मालवीय : इधर इस संकट में हमारे मंत्रालय ने विशेष तरीके अख्तियार किये हैं और करीब करीब हर एक मुख्य कोयला खान वाले से सम्पर्क कायम किया है । उन्होंने ने अपना उत्पादन बढ़ाया भी है । सड़क से कोयले का मूवमेंट भी बढ़ाया गया है । मैं कलकत्ता जा रहा हूँ, जहाँ हमारी और उन की बैठक हो रही है और हम एक नया कार्य-

क्रम बना रहे हैं, जिस के द्वारा हम सड़कों पर ज्यादा कोयला चला सकेंगे। रेलों के द्वारा कोयले की मूवमेंट बढ़ी भी है। मेरा ख्याल है कि स्थिति में सुधार हुआ है और बड़ बड़े स्थानों पर कोयले के बड़े बड़े डम्प बनाने का हम शीघ्र प्रयत्न कर रहे हैं।

**श्री प्रकाश वीर शास्त्री :** मैं न अपने पहले अनुपूरक प्रश्न में माननीय मंत्री जी से यह भी पूछा है कि क्या सरकार इस संकट-कालीन स्थिति का सामना करने के लिये कारखाने वृत्तों को पूरा कोयला दे सकेगी। इस स्थिति में वह अन्तिम रूप से कब तक समर्थ हो सकेगी ?

**श्री क० दे० मालवीय :** मैं ने अभी कहा है कि इसी सम्बन्ध में मैं कलकत्ता जा रहा हूँ और स्थिति का मुकाबला करने के लिये और कोयले का उत्पादन कितना बढ़ाया जा सकता है, सड़कों पर कितना ज्यादा कोयला ले जाया जा सकता है, इन सब प्रश्नों पर बात चित करने के बाद, मुझे पूरी आशा है, ज्यादा कोयला पैदा और मूव किया जा सकेगा।

**श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :** क्या केन्द्रीय सरकार का इस बारे में राज्य सरकारों को सहयोग प्राप्त है अथवा नहीं ? जिस बैठक में भाग लेने के लिये माननीय मंत्री जा रहे हैं, क्या उस में इस विषय पर विचार होगा कि राज्य सरकारों से भी पूरा सहयोग कि लिया जाय ?

**श्री क० दे० मालवीय :** राज्य सरकारों से हम को पूरा सहयोग प्राप्त है। जहाँ तक सड़कों की मरम्मत करने का प्रश्न है, हम उन के साथ बात चित कर रहे हैं।

**Shri Bhagwat Jha Azad:** May I know whether the increased supply by this movement mentioned in the answer has been more or less neutralised due to the increased demand in the country?

**Shri K. D. Malaviya:** There has been increased demand both by the industries and also by the civilian consumers who utilise coal for burn-

ing brick. We are trying to persuade them to restrain the consumption of coal where it can be restrained, because we want to concentrate on increasing production. But it is not a fact that there has been a very exceptional demand on account of this.

**Dr. L. M. Singhvi:** May I know supply of coal to the far off States like Punjab from the Bengal and Bihar coal fields and the results achieved so far?

**Shri K. D. Malaviya:** As and when we get an opportunity to get one or two more rakes of wagons for a week or two weeks, we increase the supply.

**Dr. L. M. Singhvi:** May I know whether the Government has received any complaints and whether the Government is aware that the scarcity of coal to consignees has been aggravated by deliberate extensive under-loading of wagons for the parties; if so, what steps Government has taken to curtail this sort of under-loading?

**Shri K. D. Malaviya:** I am not aware of any deliberate under-loading of wagons. But there has been some complaint in regard to less receipt of coal. As soon as we received those complaints we enquired into those specific reasons as to why it happened.

**श्री सरजू पांडे :** क्या इस बात की जांच की गई है कि नदियों से कोयला ले जाना सस्ता पड़ेगा या सड़क से ले जाना सस्ता पड़ेगा ? अगर नदियों के जरिये ले जाना सस्ता पड़ेगा तो कितना ज्यादा कोयला नदियों के जरिये ले जाया जायेगा ?

**श्री क० दे० मालवीय :** बुनियादी तौर पर नदियों से अगर कोयला ले जायेंगे तो सस्ता जरूर पड़ेगा रेल के मुकाबले में। लेकिन पूरी योजना को चालू करने में कुछ समय लगेगा। शुरू शुरू में मुमकिन है उस को ले जाना मँहगा पड़े। लेकिन फिर भी इसे करना चाहिये। हम दूसरे सम्बन्धित मंत्रालयों से, और फाइनेन्स मिनिस्ट्री से परामर्श कर रहे हैं। शायद दो चार

दिन में फैसला हो जायेगा और हम काम जल्दी शुरू कर देंगे ।

**Shri S. M. Banerjee:** I want to know whether it is a fact that in the ordnance factories—there are 19 ordnance factories—which are manufacturing arms and ammunitions there is shortage of coal; if so, what steps the Government have taken to see that these ordnance factories do not suffer round-the-clock work on account of shortage of coal?

**Shri K. D. Malaviya:** I do not think there is any shortage of coal.

**Shri Hem Barua:** In view of the fact that the hon. Minister has suggested to the Prime Minister to the effect that the coal industry should be nationalised in the interest of our economy and in order to avoid scarcity, may I know what steps have been taken so far or are proposed to be taken?

**Mr. Speaker:** That is a matter of wide policy.

**श्री यशपाल सिंह :** सवाई माधोपुर की सीमेंट फॅक्टरी ने क्या कोई इस तरह की शिकायत फोटों के साथ भेजी है कि बैंगल आघे भरे आते हैं ?

**Mr. Speaker:** That is going too much into details.

**श्री काशी राम गुप्त :** क्या उन उद्योगों को प्राथमिकता दी जायेगी जो इस समय लड़ाई में काम आने वाला सामान तैयार कर रहे हैं, कोयले की सप्लाई के सम्बन्ध में ?

**Mr. Speaker:** That is a suggestion for action.

**Shri Bishwanath Roy:** May I know whether in view of the large number of sugar factories and the headquarters of the N.E. Railway in Eastern U.P., any attempt is being made to set up a coal dump in Eastern U.P.?

**Mr. Speaker:** That is going into minor details.

**श्री तुलशी दास जाधव :** कोयला न मिलने की वजह से क्या कोई कारखाना बन्द भी हुआ है क्या ?

**श्री के० दे० मालवीय :** मुझे मालूम नहीं ।

**Shri P. Venkatasubbaiah:** May I know what further steps Government have taken to give the necessary financial assistance to Singareni collieries to increase coal production in the coal fields?

**Shri K. D. Malaviya:** That does not arise out of this question.

Some Hon. Members rose—

**Mr. Speaker:** Next question. We have spent 14 minutes on two questions. I will allow only two or three supplementaries on each question.

**Geological Survey in West Bengal**

+

\*176. { **Shri Subodh Hansda:**  
**Shri Shree Narayan Das:**  
**Shri S. C. Samanta:**  
**Shri N. R. Laskar:**  
**Shri B. K. Das:**

Will the Minister of **Mines and Fuel** be pleased to state:

(a) whether any geological survey was conducted in the foot-hills of the Eastern Himalayas in West Bengal recently;

(b) if so, the result of the survey; and

(c) whether the survey is still carried on or has been abandoned?

**The Parliamentary Secretary to the Minister of Mines and Fuel (Shri Thimmatah):** (a) Yes, Sir.

(b) The survey has brought to light the occurrences of dolomite, coal, and copper in the area. A reserve of 6096 million tonnes of dolomite of very high quality has been estimated in the Jainti area of Jalpaiguri district West Bengal. A reserve of 20:32 million tonnes of non-coking, flaky